*बैगा बिहाव*

मुरता गांव राहय ओ बैगा गांव राहय। उंहा अक डोकरी डोकरा अउर उंखर सामू नांव कर अक बेटा राहय। ओखर 18-19 उमर होय गै राहय। ओखर दाय बाबू बिहाव कर बारे म सोचिन। बैगा ले बैगाच बिहाव करथैं। तो अक दिन सामू कर दाय कथै,''तोर रांधन खवान वारे नैको आय। तोर बिहाव करतेन।'' सामू हव कहिस।

फेर उन बिहाव कर तिआरी करिन अउर मांगेले जाबो कहके अक डब्बा मंद बनाईन। फेर उन गांव कर दुईझन सियाना ले धरिन। अउर उन अमली टोला गांव म गईन। उंहा घला बैगाच बैगा राहंय। तो उन पेहली अमलीटोला कर अपन परिवार से गईन। तो उनले कथै,''हम टुरी मांगेले आयहेन। कते कते घर म है हम ले गुठया।'' उन कहिन,''दुई घर म आहय।'' तो घर वारे अउर उन भी गईन। तो जायके बैठिन अउर पुछिन, हम बेटी मांगेले आयहेन। तो उन कथै,''बेटी तो आहय। हा कही तब।'' तो ओले सब कर बीच म बलाईन। ओखर बेटी कथै,''टुरा के देखहूं तब हां कहूं।'' तो फेर टुरा ले देखाईन। तो फेर ओ हां कहिस।

दुरा कर बाबू चुटकी बनाईस मोहलाईन पान कर। तो अपन समधी अउर समधीन ले ओ म मंद देईस। फेर उन चुहायके पिईन। फेर सफ्फोझन पिईन। फेर पि लईन, भत खाईन। अउर उंहे रात रहिन। फेर सकराहा बिहाव अउर फलदान के बात करिन अउर घर भग गईन।

फेर घर म जायके पतड़ी सिलिन अउर मंद बनाईन। चाउड, दाड लाईन। फेर गांव वारे संग फलदान गईन। फेर टुरी वारे घला गांव वारे ले बलाईन। तो फेर टुरी टुरा ले बलाईन अउर हरदी घसिन। टुरा कर दाय अउर टुरी कर दाय गोड म बैठाईन अउर गाल चुमिब। फेर मंद पिईन।

फेर काल मंढा राहखबो, दुसर दिन भांवर अउर ओखर दुसर दिन छडति पडति रही। थो उन फेर घर आय गईन। घर आयके लग्गिन जोड़िन अउर मंढा काटेले गईन। फेर उन मंघर ओनी आनके बनाईन अउर बीच दुआर म गडयाईन अउर मंढा ले छाईन।

मंढा राहय तोन दिन हरदी लगाईन। दुईठन नंगाड़ा बाजा राहय अउर रात भर नाचिन अउर ददरिया गाईन। फेर सकराहा बरात जाबो कथै। फेर उन दुई अक बजे बरात गईन। फेर दुरी वारे बरात ले परघाईन अउर ददरिया गाईन। फेर उन ले जुनवास लैजिन दुसर घर म। फेर मंद पिईन। फेर दुल्हा अउर दुल्हिन ले नचाईन अउर मुंदी पेहराईन। फेर खरची खोदै पटायके दुल्ही दुल्हा ले उठाईन। फेर दोसी डोकरा लग्गिन जोड़िस। फेर मंढा म भंवर किनजारिन। उंहा तीन भंवर किनजारिन अउर फेर बैठारिन। दोसी डोकरा गोड धोईस। फेर गांव वारे बटकी, कसेड़ी म घला गोड धोईन। फेर अक टिपा मंद निकालिन अउर फरिया देईन। फेर बिदा देईन।

घर म फेर दोसी डोकरा लग्गिन जोड़के फेर भंवर किनजारिस। घर वारे मंद निकालिन अउर गांव वारे इंहा घला गोड धोईन। फेर भात खाईन अउर घर भगिन। फेर दोसी डोकरा उन ले उठा देईस।

फेर सकराहा छडति पडती रहिस। दुल्ही दुल्हा ले दोसी डोकरा नहवाईस। फेर गांव वारे ले सिकारी बनाईन कुकडी सुरा मारेले। पांच अक घर गईन मारेले। मारके फेर भूंजिन अउर काटके फेर रांधिन। फेर गांव वारे ले खायले बैठारिन। दुल्ही दुल्हा ले भात पोरोसवाईन। तो असने आय हमर पीढ़ी कर बिहाव। फेर दोसी डोकरा घला उनले भात खवाईस।